सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching)

जन्मस्थली → USA

→ 1961 कीथ एचिसन के द्वारा स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय में 'वीडियो टेप' तैयार की गई।

↓

→ 1963 ड्वाइट एलेन द्वारा 'सूक्ष्म शिक्षण' शब्द दिया गया। → जनक

अर्थ - शिक्षक व्यवहार में सुधार करने के लिए तथा प्रभावशाली शिक्षक तैयार करने के लिए जिस विधि का आविष्कार किया गया, वह सूक्ष्म शिक्षण है।

परिभाषा :- एलेन के अनुसार - 'सूक्ष्म शिक्षण, समस्त शिक्षण को लघु क्रियाओं में बाँटता है।

* अरविन के अनुसार - सूक्ष्म शिक्षण, वास्तविक कक्षा शिक्षण की अपेक्षाकृत एक अनुकरणीय शिक्षण है।

विशेषताएँ :- ① शिक्षण की कठिनाई / जटिलताओं को कम करता है।

② वास्तविक शिक्षण
③ शिक्षण कौशलों का विकास
④ पृष्ठपोषण द्वारा अभ्यास को नियंत्रण
⑤ व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम
⑥ शिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन
⑦ कौशल का अभ्यास (एक बार में एक)
⑧ शिक्षण का लघुरूप

कलाम ACADEMY

Topic :

Date :

Class :

⑨ सरल शिक्षण

सूक्ष्म शिक्षण चक्र

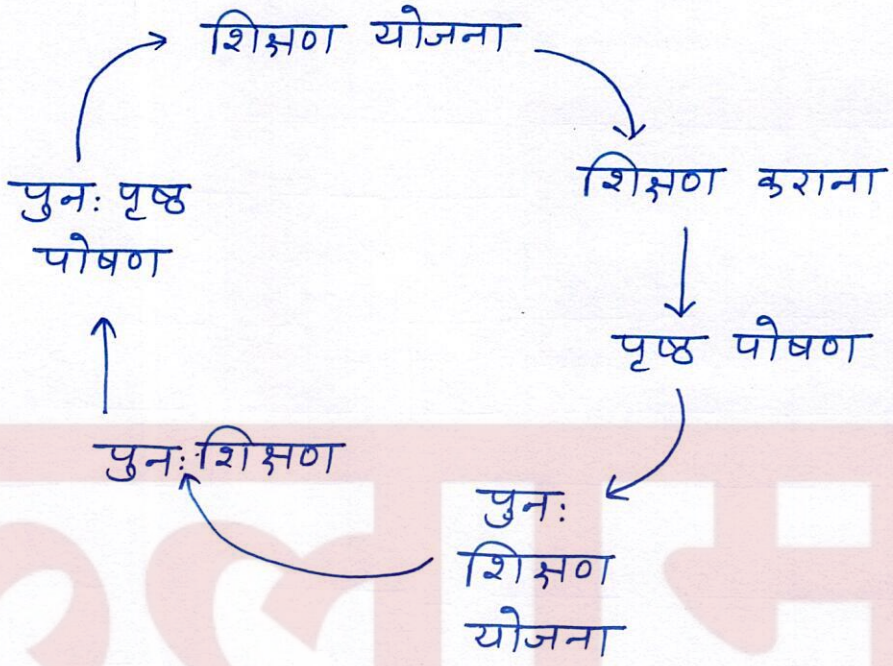

सोपान :- ① विशिष्ट कौशल का चयन

② कौशल प्रदर्शन

③ लघु पाठ योजना

④ लघु शिक्षण

⑤ पृष्ठ पोषण

सूक्ष्म शिक्षण के गुण :-

① व्यवहार सुधार का साधन।

② विशिष्ट कौशल का विकास।

③ व्यक्तिगत प्रशिक्षण देना।

④ स्वः मूल्यांकन करना।

कलम ACADEMY

दोष :- ① खर्चीली पद्धति (उपकरण)
② समय अधिक लगता है।
③ एक बार में एक ही कौशल

पर्यवेक्षित अध्ययन विधि
(Supervised Study Method)

अन्य नाम :- ① निर्देशित अध्ययन विधि

* परम्परागत शिक्षण विधियों के दोषों को दूर करता है।

जनक - डेजी मॉरविल जॉन, 1971 (USA)

* यह एक प्रविधि / उपविधि है।

अर्थ - अध्यापक के निरीक्षण / निर्देशन व पर्यवेक्षण में विद्यार्थियों के स्वंय के द्वारा किया जाने वाला अध्ययन, पर्यवेक्षित अध्ययन कहलाता है।

बाइनिंग एवं बाइनिंग :- इसमें शिक्षक द्वारा कक्षा तथा छात्रों के एक वर्ग का उस समय निरीक्षण किया जाता है, जब वे अपनी डेस्कों या मेजों पर कार्य करते रहते हैं।

प्री॰ बाइनिंग एवं बाइनिंग के अनुसार पाठ योजना - 5
① सम्मेलन योजना
② विशिष्ट शिक्षक योजना (अतिरिक्त)
③ कांलाश विभाजन योजना - C ① निर्देशन ② पर्यवेक्षण
④ द्विकांलाश योजना - दो कांलाशों का मिलाना
⑤ सामयिक योजना - साप्ताहिक / पाक्षिक

Topic :
Date :
Class :

शिक्षक → मधुर सम्बध ← शिक्षार्थी

शिक्षक ↓ गौण ↓
→ निर्देशन
→ निरीक्षण
→ पर्यवेक्षण
- मार्गदर्शन

शिक्षार्थी ↓ प्रधान ↓
→ स्वयं अध्ययन करना
→ मनोवैज्ञानिक
→ बाल केन्द्रित
→ गतिविधि आधारित

सोपान :-
① अध्ययन के कार्य का निर्धारण
② अध्ययन में निर्देश देना।
③ शिक्षक द्वारा पर्यवेक्षण कार्य
④ श्यामपट्ट सार व आवृत्ति कार्य

विशेषता :-
① विषयवस्तु का स्वामित्व करना। (परिपाक)
↓
(* मॉरिसन के बोध स्तर से)

② विद्यार्थी स्वयं क्रियाशील रहता है।
(बाल केन्द्रित शिक्षण)
(मनोवैज्ञानिक विधि)

③ स्वाध्याय पर बल
④ व्यक्तिगत क्रिया आधारित
⑤ सभी विषयों के लिए उपयोगी

कलाम ACADEMY

Topic :

Date :

Class :

दोष :- ① उच्च स्तर पर अधिक उपयोगी।

② ज्ञानात्मक पक्ष पर बल।

③ समय भी अधिक लगता है।

④ दक्ष व प्रशिक्षित अध्यापकों की आवश्यकता।

कलाम
ACADEMY